



Kareena Kapoor On Saif Ali Khan's Stabbing...

SHARE	
सेसेक्स	: 83,409.69
निफ्टी	: 25,453.40

SARAFI	
सोना	: 9,245
चांदी	: 120.00
(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)	

BRIEF NEWS

कोसी नदी बांध पर बना लूप टूटा, कई गांवों के खेतों में घुसा पानी

SAHARSA : जिले के महिषी प्रखंड क्षेत्र के कुंदह और बड़वाही गांव के बीच कोसी नदी बांध पर बना लूप नदी के कटाव से 80 से 90 मीटर की लंबाई में टूट गया है। बुधवार की दोपहर लूप के टूटने से आसपास के कई गांव की खेतों में पानी भर गया है, जिससे जहां कई गांव में बाढ़ की समस्या उत्पन्न होने की संभावना बन गई है। साथ ही खेतों में लगी मूंग और धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। लूप के टूटने की सूचना के बाद आसपास के कई गांव के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर मंगवाई गई, जिसके बाद जन सहयोग से ट्रैक्टर से मिट्टी लाकर लूप को बांधने का प्रयास किया गया।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को छह महीने जेल की सजा

DHAKA : बांग्लादेश की अपरस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने छह महीने की जेल की सजा सुनाई। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। ह्दाढाका ट्रिब्यूनल्ल अखबार ने कहा कि न्यायाधीश मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजूमदार की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 की तीन सदस्यीय पीठ ने यह फैसला जारी किया। इसी फैसले में न्यायाधिकरण ने गैर्वांधा में गोबिंदगंज के शकील अकंद बुलबुल को दो महीने जेल की सजा सुनाई। प्रधानमंत्री पद से हटने और 11 महीने पहले देश छोड़ने के बाद पहली बार अवाामी लोग की नेता को किसी मामले में सजा सुनाई गई है।

टाटा स्टील की यूरोप में इस्पात विनिर्माण योजना सही राह पर : चंद्रशेखरन

NEW DELHI : टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि उन्हें भरोसा है कि वह ब्रिटेन और नीदरलैंड में हरित इस्पात विनिर्माण की दिशा में बदलाव को तय समय में पूरा कर लेंगे। उन्होंने कंपनी की 118वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेरशर्धाकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। चंद्रशेखरन ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि अगले कुछ वर्षों में ब्रिटेन और नीदरलैंड में हरित इस्पात विनिर्माण का कार्य हमारी योजनाओं के अनुसार होगा।

अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे का घाटी पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत

AGENCY SHRINAGAR :

बुधवार को कश्मीर के कई स्थानों पर अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे के घाटी पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस जत्थे में 5892 यात्री हैं, जिन्हें उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुबह जम्मू के भगवती नगर में यात्रा आधार शिविर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रियों के काफिले का कुलगाम, अनंतनाग और श्रीनगर जिलों में प्रशासन और स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। तीर्थयात्री दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके में नवयुग सुरंग के जरिए घाटी पहुंचे, जहां उनका स्वागत दक्षिण कश्मीर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक और



- 5892 यात्रियों को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगवती नगर के शिविर से किया रवाना
- आज सभी यात्री 3880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर के लिए होंगे रवाना

कुलगाम के उपायुक्त ने किया। भाजपा नेता रवींद्र रैना ने यात्रियों का माला, फूलों के गुलदस्ते, मिठाइयां और फूलों की पंखुड़ियों से स्वागत किया। यह काफिले अलग-अलग बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जहां से वह गुरुवार सुबह 3880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर के लिए रवाना होंगे।

वाशिंगटन डीसी में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद संयुक्त बयान जारी

पहलगाम हमले के दोषियों को दंडित करने का किया आह्वान

WASHINGTON @ PTI :

बुधवार को चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह 'क्वाड' ने संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से इस संबंध में सहयोग बढ़ाने की अपील की। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के विदेश मंत्रियों ने इस वर्ष के अंत में भारत में होने वाले समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए व्यापक एजेंडा तय करने के वास्ते मंगलवार को अमेरिका की राजधानी में बैठक की। ह्दक्वाडल्ल सदस्य देशों ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों

» संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से की सहयोग बढ़ाने की अपील

» अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान हैं चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह के सदस्य

» भारतीय-पाकिस्तानी सेनाओं के बीच चार दिन चले सैन्य संघर्ष का जिक्र नहीं



में निंदा की और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का दृढ़तापूर्वक समर्थन किया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। हालांकि, संयुक्त बयान में

पूर्वी व दक्षिणी चीन सागर को लेकर चिंता

क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों ने पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में चीन बढ़ती सैन्य की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने चीन का सीधे-सीधे उल्लेख किए बिना कहा, हाहाहम किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध दोहराते हैं जिसमें बलपूर्वक या जबरन यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जा रही हो। 'क्वाड' की बैठक में इस साल मुंबई में भविष्य के क्वाड बंदरगाहसाझेदारी शुरू करने की योजना की भी घोषणा की गई।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बनाए रखने पर बल

विदेश मंत्रियों ने कहा, हम विवादित स्थलों के सैन्यीकरण से गंभीर रूप से चिंतित हैं। हम समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में परिलक्षित नियमों के अनुरूप नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, समुद्र के अन्य वैध उपयोगों तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप निर्बाध वाणिज्य को बनाए रखने के महत्व पर बल देते हैं। मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि समुद्री विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार हल किया जाना चाहिए।

जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वॉंग और जापान के विदेश मंत्री मोमो तशिरो ने शामिल हुए। विदेश मंत्रियों ने

कहा, हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र एवं पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

बदला मौसम का मिजाज, शुरू हुई झमाझम बारिश

PHOTON NEWS RANCHI :

बुधवार को झारखंड में राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में सुबह में बादल छाए रहे। बाद में मौसम साफ हुआ। तेज धूप निकली, लेकिन रह रहकर मौसम का मूड बदलता रहा। दोपहर के बाद अचानक तेजी से मौसम का मिजाज बदला और शाम होते-होते झमाझम बारिश शुरू हो गई। बीच में रह-रह कर हल्की बारिश हो रही थी। गुरुवार के लिए मौसम विभाग ने झारखंड के आधा दर्जन जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि झारखंड के

6 जुलाई तक सभी जिलों में होती रहेगी वर्षा

- आज के लिए 6 जिलों में भारी बारिश का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट
- कुछ जगहों पर तेज हवा के साथ वज्रपात की भी जताई गई है आशंका
- इस समय चाईबासा से गुजर रहा बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ता मानसून का टर्फ



इन जिलों के लिए येलो अलर्ट
मौसम विभाग ने दैनिक एवानुमान में कहा है कि झारखंड दर्ज की वर्षा होने की संभावना है। राज्य के 6 जिले लोतेहार, लोहररगा, वतरा, रामगढ़, हजारीबाग और कोडरमा ऐसे जिले हैं, जिसके लिए मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तरी-मध्य एवं निकटवर्ती भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। राज्य में कल जगहों पर वज्रपात होने की भी आशंका है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत

गिरिडीह-देवघर मुख्य मार्ग पर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधवा टोल टैक्स के पास हुई दुर्घटना

AGENCY GIRIDIH :

देवघर मुख्य मार्ग पर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधवा टोल टैक्स के समीप मंगलवार रात एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक तेज रफतार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो महिलाएं सोनी देवी और संगीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतकों की पहचान लिलो तुरी, छोटू तुरी और राजन तुरी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि छोटू तुरी और राजन तुरी आपस में पिता-पुत्र थे। सभी लोग

दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती



नवडीहा ओपी क्षेत्र के जंगरीडीह से बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधुआर गांव में लिलो तुरी के भतीजी के घर आपसी पूजा के अवसर पर प्रसाद

कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मधवा टोल टैक्स के आगे कार को तेज रफतार से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से दोनों घायल महिलाओं को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

से अस्पताल परिसर का माहौल गमभीर हो गया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात ट्रक की तलाश जारी है।

भूगर्भीय चमत्कार

धरती के मैटल और कोर के बीच पाई जाती है एक रहस्यमयी परत

पृथ्वी को सजीव बनाए रखती हैं सतह के अंदर बहने वाली चट्टानें

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

मुख्य रूप से पृथ्वी की तीन परतें होती हैं- क्रस्ट, मैटल, और कोर। भूगर्भ वैज्ञानिक बताते हैं कि ये परतें रासायनिक संरचना और भौतिक गुणों में एक दूसरे से भिन्न हैं। क्रस्ट पृथ्वी की सबसे बाहरी परत है और ठोस चट्टान से बनी है। यह दो प्रकार की होती है- महासागरीय क्रस्ट (समुद्र तल के नीचे) और महाद्वीपीय क्रस्ट (महाद्वीपों के नीचे)। मैटल क्रस्ट के नीचे स्थित है और अर्ध ठोस अवस्था में है। मैटल में चट्टानें बहुत अधिक तापमान और दबाव के कारण अर्ध तरल अवस्था में होती हैं। कोर पृथ्वी का सबसे आंतरिक भाग है, जो दो भागों में विभाजित है- बाहरी कोर और आंतरिक कोर। बाहरी कोर तरल अवस्था में है और आंतरिक कोर ठोस अवस्था में है। भूगर्भ वैज्ञानिक कहते हैं कि पृथ्वी के अंदर लगभग 2700

रासायनिक संरचना व भौतिक गुणों में एक दूसरे से भिन्न होता है हर लेयर

मूलतः महासागरीय और » महाद्वीपीय रूप में विभाजित होता है क्रस्ट	मैटल में अधिक तापमान » व दबाव के कारण अर्ध तरल बन जाती है चट्टान	अर्ध सरफेस के लगभग » 2700 किमी नीचे मौजूद रहता है डी लेयर	ईटीएच ज्यूरिख के भूगर्भ » वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक किया विशेष परत का अध्ययन
अब सुलझ गई पुरानी पहेलियां हाल में भूगर्भ वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने भूगर्भ विज्ञान की दशकों पुरानी पहेलियों को हल करने की दिशा में बेहद अहम माना जा रहा है। ईटीएच ज्यूरिख के वैज्ञानिकों के इस शोध के केंद्र में है पृथ्वी की एक रहस्यमयी परत (डी लेयर), जो मैटल और कोर के बीच है और करीब 2700 किमी नीचे पाई जाती है। दशकों से यह जानने की कोशिश हो रही थी कि क्यों भूकंप से उठने वाली तरंगें इस परत से गुजरते समय अचानक अपनी गति व व्यवहार बदल देती हैं।	भूकंप से उठने वाली तरंगें इस लेयर से गुजरते समय अचानक बदल देती हैं अपनी गति 	नदियों के समान होता है बहाव रिसर्व में वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर मॉडल और प्रयोगशाला परीक्षणों के जरिए यह साबित किया है कि पोस्ट-पेरोक्साइड क्रिस्टल एक निश्चित दिशा में संरक्षित (एलाइन) होते हैं। जब ये क्रिस्टल समान दिशा में जुड़ते हैं, तो तरंगों को कम प्रतिरोध मिलता है और वे तेजी से यात्रा करती हैं। यह अनेकी संरचना तभी बनती है, जब ठोस चट्टानें पृथ्वी में धीरे-धीरे बहती हैं। ठीक वैसे जैसे सतह पर नदियां बहती हैं।	

किलोमीटर नीचे बहती हुई ठोस चट्टानें

द्रव नहीं होतीं, लेकिन इतने ताप और दाब में लचकीली हो जाती हैं कि वे सालों, दशकों या

लाखों वर्षों में धीरे-धीरे बहने लगती हैं। यह प्रक्रिया पृथ्वी को सजीव बनाए रखती है।

हजारीबाग में टीएसपीसी के सब-जोनल कमांडर की गोली मारकर हत्या

PHOTON NEWS HAZARIBAG :

हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार को केरेडारी-बुंदू रोड पर गेरुआ नदी के पास युवक का शव मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखने ही पुलिस को मामले की सूचना दी। युवक के सीने में गोली मारी गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के सब-जोनल कमांडर अनीश अंसारी के रूप में हुई है। अनीश रांची जिले के बुढूम थाना क्षेत्र के मतवे गांव का निवासी था। घटना के समय गेरुआ नदी में बालू लोडिंग का काम चल रहा था। अचानक तीन राउंड गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इससे

■ केरेडारी-बुंदू रोड पर गेरुआ नदी के पास मिली डेड बॉडी, सीने में मारी गई है गोली

■ मृतक अनीश रांची जिले के बुढूम थाना क्षेत्र के मतवे गांव का था निवासी

वहां मौजूद ट्रैक्टर चालक और मजदूर भाग गए। पुलिस के अनुसार, यह आपसी वर्चस्व की लड़ाई का मामला हो सकता है। पुलिस ने बताया कि अनीश अंसारी पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। उसकी हत्या के बाद पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।



बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियाँ आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियाँ चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में माँ अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं,

जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर

चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से दूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्च के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।



देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनौली जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून
देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को



आकर्षित करती है। जिन लोगों ने

पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियाँ आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरुआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइंबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइंबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको

हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा। और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूँढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी – अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूँढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊँचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊँचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगेगा है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें। आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को फ़ भारत का मिनी इजराइल भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इजराइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।



प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इजराइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इजराइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

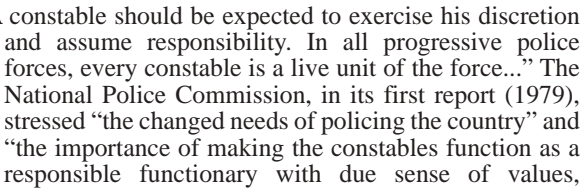
सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।



Yogi Adityanath has been in power in UP since 2017. The “sudden realisation” of over 60,000 vacancies means that the government has not followed a regular recruitment process.

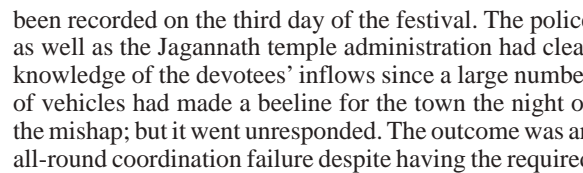
While distributing the letters, Shah praised the chief minister for the “largest ever” such appointments that would help in maintaining law and order in the state. Praising Adityanath’s reign, he said, “Goono no longer dictate terms in the state. The rule of law has been established. Each of you was selected purely on merit from among 48 lakh applicants. There were no bribes, recommendations or caste-based bias, unlike when other governments were in office.” While the initiative of filling vacancies in the constabulary needs to be lauded, this exercise and its amplification raise a number of questions. Adityanath has been in power in UP since 2017. This “sudden realisation” of over 60,000 vacancies means that the government has not followed a regular, time-bound recruitment process. The reason for such a large-scale appointment in one go is also not clear. These recruits will have to go through proper training, for the police job is highly specialised. The increasing use of technology by criminals has made policing far more complex and challenging. Gone are the days when the constabulary was a lathi-wielding, uniformed herd of personnel needed for mechanical duties, including serving seniors as orderlies (this demeaning task has not



The state government has skirted the guidelines by appointing acting DGPs (three so far) in succession since May 2022. At the central level, some secretaries, Director (Intelligence Bureau) and the Research & Analysis Wing chief have got extensions over the years. In 2023, the Supreme Court declared two extensions granted to the Director of the Enforcement Directorate, beyond the fixed cut-off date, as “not valid in law”.

Cherry-picking fall guys can assuage the prevailing mood, but accountability must be fixed and it should start right from the top. The government would also do well to explain the role of the special panel headed by a deputy chief minister constituted to ensure smooth conduct of the festival

The journey of the deities from Srimandir to Gundichapuram temple this time, in state law minister Prithiviraj Chaudhary's admission, witnessed 1.5 times the normal crowd. The first day of the yatra always draws the largest footfall, as it involves chariot-pulling for which devotees come from all over the world converge. The ritual has witnessed crowd surges in the past, too. But never has any mishap occurred.



The BJP government responded by removing the district collector and a police superintendent, and suspending two police officers. It ordered an administrative inquiry and carried out a shake-up in the overall management since other key segments of the festival are due over the next five days. Cherry-picking fall guys can assuage the prevailing mood, but accountability must be fixed and it should start right from the top. The government would also do well to explain the role of the special panel headed by a deputy chief minister constituted to ensure a smooth conduct of the festival. Chief Minister Mohan Charan Majhi's personal apology to Jagannath devotees for the loss of lives was earnest; but he must use the opportunity to crack the whip and prepare a robust blueprint for crowd management—for both the temple and the yatra. Professional management using data science and case studies of other festivals must be explored. The probe into the tragedy must not be perfunctory—it must lay a safer road ahead.

Nato, a military white elephant, watches from the sidelines, irrelevant as Trump's America bypasses allies for unilateral glory. The IAEA, meant to guard nuclear safety, is barred from Iran's shattered sites; its director, Rafael Grossi, is reduced to parsing satellite images and guessing the damage. We don't even know if there was a radiation leak or post bombing. Prime Minister Modi has always been quick to claim India's 'growing' role in

To revisit an earlier point, Khamenei's claim of victory is a case study of the world becoming a mirage of itself. He had hailed Iran's missile strikes on Israel as a crushing blow. Yet, the facts sneer in his face: Israel swatted most missiles and officially incurred only 28 civilian deaths. Iran's Qatar strike grazed the base, killing no one. Why would you warn your enemy? The missiles were not meant to kill but to strike a posture, to feed a narrative of defiance against the "Great Satan" and the "Zionist enemy". In a post-truth world, the posturing is the point. But even this is in dire straits as a pumped-up US blows out into being the one bubble that swallows the rest of the world. As the wise said, history is the writ of the victor. And the world increasingly seems to have only one.

Don't ignore your EPF: Here's why checking it regularly matters

New Delhi. Many salaried employees do not check their Employees' Provident Fund (EPF) accounts for years, often thinking it will quietly grow in the background until retirement.Would you leave your bank account unchecked for years, so why do it with your EPF?

Think of your EPF account as your financial time capsule, slowly growing in the background while you hustle through the 9-to-5 grind. But what if one day you pop it open and find a big chunk missing? Or worse, no updates for years?Experts warn that many salaried employees don't realise until it's too late that their employer hasn't been depositing funds, or that a simple KYC error has locked their money away. And by then, the damage is already done, to both your money and your peace of mind.Abhishek Kumar, Sebi Registered Investment Adviser and Founder at SahajMoney.com, said it is important for employees to keep an eye on their EPF accounts. "It helps in keeping one updated on their retirement savings growth and interest accrual," he said.

One major reason to check your EPF regularly is to ensure that your employer is depositing the money properly. In some cases, employers deduct the EPF amount from the salary but fail to deposit it with the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO). "Checking the EPFO balance helps in identifying such issues early on," Abhishek explained.There are several other problems people face when they do not track their EPF accounts for a long time. "Common issues include missing or delayed employer contributions, outdated KYC information, and technical errors that can make funds inaccessible or cause withdrawal delays," he said.Incorrect or missing deposits also hurt your savings in the long term. Over time, this could result in a smaller retirement fund than expected. "Missing or incorrect deposits reduce one's retirement corpus and the compounding interest they earn over time. This can significantly impact their financial security after retirement and limit their access to EPF benefits," Abhishek added.

Stock market holidays July 2025: Here's what traders should know

New Delhi. Before you plan your trades, book profits, or sneak in a quick holiday, one common question pops up for every investor: Is the stock market shut today?

For the month of July 2025, there's good news for active traders and investors. Both the Bombay Stock Exchange (BSE) and National Stock Exchange (NSE) will stay open all weekdays throughout July. There are no special trading holidays lined up for this month.However, as usual, the markets will be closed on Saturdays and Sundays. So, in total, trading will be paused for eight days in July, four Saturdays and four Sundays.

NEXT MARKET HOLIDAY IN AUGUST

According to the trading holiday list released by the NSE, the next official market holiday will fall on August 15, 2025, when the country celebrates Independence Day. After that, trading will also take a break on August 27 for Ganesh Chaturthi.

OTHER KEY HOLIDAYS IN 2025

Looking further ahead, the stock exchanges will remain closed on other key dates in 2025, including Mahatma Gandhi Jayanti on October 2, Diwali Laxmi Puja on October 21, Balipratipada on October 22, and Prakash Gurburb Sri Guru Nanak Dev on November 5.The final market holiday of the year will be Christmas on December 25.

So, if you're planning any trades this July, you can do so freely on weekdays. Just keep an eye on the weekends, the market will take its usual break then.

Ola, Uber get government okay for surge pricing, can charge double the base fare

New Delhi. Cab aggregators will now be permitted to charge up to twice the base fare during peak traffic hours, as per the Motor Vehicles Aggregator Guidelines (MVAG) 2025 issued by the Ministry of Road Transport and Highways on July 1. Until now, the upper limit on surge pricing was capped at 1.5 times the base fare.States have been advised to implement the updated guidelines within the next three months. The revised fare structure is aimed at giving platforms flexibility during high-demand periods, while maintaining an overall regulatory framework for pricing and operationsThe MVAG 2025 also addresses a longstanding regulatory gap by allowing the use of non-transport (private) motorcycles for passenger journeys via aggregators, subject to state government approval. According to the guidelines, "The state government may allow aggregation of non-transport motorcycles for journey by passengers as shared mobility through aggregators," with the objective of reducing traffic congestion, lowering vehicular pollution, and improving access to affordable mobility and hyperlocal delivery.States will have the authority to levy daily, weekly, or fortnightly fees on aggregators for the use of such motorcycles under Clause 23 of the guidelines.Bike taxi operators like Rapido and Uber, who have operated in a regulatory grey zone in several states—including Karnataka, where a recent ban led to protests—have welcomed the move. Rapido called the clause a "milestone in India's journey towards a Viksit Bharat," saying the change would help improve last-mile connectivity and expand affordable transport in underserved areas.Uber also lauded the revised guidelines as a step toward innovation and regulatory clarity."Timely adoption by states will be key to ensuring uniform implementation and building much-needed predictability for all stakeholders. We commend the ministry for its consultative and balanced approach," a company spokesperson said.The MVAG 2025 guidelines replace the 2020 version and reflect changes in India's shared mobility landscape, including increased demand for bike taxis, e-rickshaws, electric vehicles, and flexible pricing models.

Ghee, soap and snacks to get cheaper Big GST cut likely, say sources

Sources say the government is weighing a major rejig of GST slabs that could bring down the tax burden on everyday essentials.

New Delhi. In what could bring major relief to middle- and lower-income households, the central government is seriously considering a restructuring of the Goods and Services Tax (GST) slabs, sources told India Today. A key proposal under discussion is to either reduce the GST on certain essential items from 12% to 5% or to eliminate the 12% slab altogether.

According to sources, most of the items currently attracting 12% GST are goods commonly used in everyday life by



ordinary citizens. These include products that feature heavily in the consumption patterns of middle-class and economically weaker households.The

plan under consideration involves reclassifying these items into the lower 5% tax bracket, effectively making them cheaper for end consumers. Alternatively,

the government may choose to scrap the 12% slab entirely and reallocate items into existing lower or higher slabs.A final decision is likely to be taken at the upcoming 56th meeting of the GST Council. As per protocol, a 15-day notice is required before convening a Council meeting, but sources indicate that the session could take place later this month.

The move is expected to be politically significant, especially in a pre-election year, and could help ease inflationary pressure on essential goods consumed by a large section of the population.

The GST Council, chaired by the Union Finance Minister and comprising state finance ministers, holds the authority to recommend changes in tax rates.

If the proposal goes through, it would mark one of the most significant overhauls of GST rates since the indirect tax system was rolled out in 2017.

57% of Indians call skills critical, but relevant frameworks still lag: Report

New Delhi. Across Asia Pacific, a quiet shift is underway inside boardrooms and HR departments. As technology changes fast and the world grows unpredictable, companies are realising that skills, not just experience, hold the key to staying ahead.Aon's latest APAC Skills Impact Survey shows that a huge number of organisations are putting skills at the heart of their people strategy. But are they truly ready?According to the survey, in India's buzzing job market, one thing is clear, skills are now more than just a buzzword. As companies race to attract, grow and keep good people, skills are stepping into the spotlight. But while India's workforce is huge and tech-ready, the country still has work to do to fully catch up with its APAC neighbours.

TOP TALENT PRIORITIES FOR INDIA

Aon's 2025 APAC Skills Impact Survey reveals what really matters for Indian firms today. For the next two to three years, their main priorities are

attracting and keeping top talent, building a strong bench of future leaders, and making the workforce agile and resilient in the face of



change.These are not small goals, but Indian companies are waking up to the power of skills to get there. 61% of Indian organisations focusing on these priorities have adopted skills-driven measures.

SKILLS ARE VALUED, BUT IS INDIA USING THEM FULLY?

57% of Indian respondents say skills are vital for business success, followed by 50% in China, 62% in Australia, and 67% in Malaysia. Yet India still trails

Australia and Malaysia in building mature skills frameworks.Australia leads the region, with nearly 70% seeing progress towards advanced skills programmes, while about 13% of Malaysian organisations have reached high maturity.Despite advances in tech and AI, India and China are not ahead in skills maturity, maybe because abundant talent supply dampens the drive to invest heavily in skills development.

HOW INDIA CAN STAY AHEAD

Aon's report shows that while many firms have started building skills frameworks, few have a comprehensive organisation-wide plan. Most frameworks remain focused on specific departments or job families like technology, data, or risk and compliance.Despite much talk about skills-based pay, only a few organisations have put it into practice, revealing a big opportunity to strengthen skills-based performance and pay programmes across APAC, the survey mentioned.

SBI classifies Reliance Communications loan account as 'fraud'

New Delhi Reliance Communications on Tuesday said that the State Bank of India (SBI) has classified its loan account as "fraud" and plans to report the company and its former director, Anil Ambani, to the Reserve Bank of India (RBI).In a stock exchange filing, the company stated that SBI has taken the decision in connection with credit facilities dating back to August 2016. Reliance Communications is currently undergoing insolvency proceedings under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) and has a resolution plan awaiting final approval by the National Company Law Tribunal (NCLT).According to a report by CNBC-TV18, SBI had sent show-cause notices to the company in December 2023, March 2024, and September 2024.After reviewing the company's responses, the bank concluded that Reliance Communications failed to adequately explain non-compliance with the terms

and conditions of its loans and the irregularities in the conduct of its accounts.SBI's Fraud Identification Committee subsequently resolved to classify the account as fraud and initiate the process of informing the



RBI, including naming Anil Ambani in accordance with regulatory requirements to report key managerial personnel associated with such accounts.In its response, Reliance Communications said the loans

referenced by SBI pertain to the period prior to the initiation of its Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) in 2019.The company argued that under Section 32A of the IBC, once the resolution plan is approved, it is to be granted immunity from liabilities relating to offences committed before CIRP began."These facilities are necessarily required to be resolved under the resolution plan or liquidation, and the company is currently protected from proceedings under IBC," Reliance Communications said, adding that it is seeking legal advice on the matter.This is not the first time a bank has flagged Reliance Communications' account. In November 2024, Canara Bank also classified the account as fraud, but the Bombay High Court stayed that decision in February 2025, citing a failure to follow RBI guidelines on giving the borrower a hearing.



Intraday trading is treated as speculative business income. It is taxed at the individual's slab rate, and any losses can be adjusted only against speculative gains. If not utilised, such losses can be carried forward for four years.Futures and options are considered non-speculative business income under Section 43(5). These are also taxed at slab rates, but the losses can be set off against a wider range of incomes except salary, and carried forward for up to eight years.

Short-term capital gains, such as those from selling equities within a year, fall under Section 111A. These gains are taxed at a flat rate of 20 percent. While losses in this category can be adjusted against both short- and long-term capital gains, they do not qualify for basic income exemptions. Long-term capital gains from listed equities are covered under Section 112A.

HDB Financial lists at 13% premium: Should you book profit or hold

HDB Financial share price: The stock opened at Rs 835 on both the NSE and BSE, compared to its IPO price of Rs 740 per share. This was better than what the grey market had expected, which had estimated a gain of around 8% to 10% on listing day.

New Delhi. HDB Financial Services made a strong debut on the stock market on Wednesday, July 2, listing at a premium of nearly 13% over its issue price.The stock opened at Rs 835 on both the NSE and BSE, compared to its IPO price of Rs 740 per share. This was better than what the grey market had expected, which had estimated a gain of around 8% to 10% on listing day.The company, a subsidiary of HDFC Bank, had launched a Rs 12,500 crore IPO. This included a fresh issue of Rs 2,500 crore and an offer-for-sale (OFS) of Rs 10,000 crore. The IPO saw strong interest from all categories of



investors and closed on June 27 with an overall subscription of 17.65 times. The biggest interest came from qualified institutional buyers (QIBs), who subscribed their portion 31.73 times.After listing, the total market capitalisation of HDB Financial stood at around Rs 69,268.82 crore. This listing has drawn attention from investors who are now wondering whether to book profits or

hold the stock for long-term gains.Prashanth Tapse, Research Analyst at Mehta Equities Ltd, said that the good response to the IPO shows confidence in the company's business model and strong backing from the HDFC Group. "The robust response signals market confidence in HDB's business model, parentage (as an HDFC group company), and long-term growth potential in the

NBFC space," said Tapse.Brokerage Emkay Global has also taken a positive view on HDB Financial. It initiated coverage on the company and gave a 'buy' rating with a target price of Rs 900 per share.This target price reflects a 22% upside from the IPO's upper price band of Rs 740. Emkay's positive outlook is based on the company's large customer base of over 1.9 crore people, diversified loan book, and wide branch network. It also noted that only 0.34% of its assets under management come from its top 20 accounts, which shows how granular its lending is.The brokerage said HDB Financial is well-diversified both in terms of geography and products, and it has been built from the ground up, having managed through difficult credit cycles including Covid. This strong foundation, combined with its reach and scale, makes it one of the key NBFCs to watch in the market.HDB Financial offers a range of lending services such as enterprise loans, consumer loans and asset financing. The company has a strong presence across the country with 1,771 branches and a workforce of more than 60,000 people.

India to launch review to eliminate China-made parts in military equipment

The ministry is likely to appoint an external agency to audit claims of indigenous content, map supply chain dependencies and carry out detailed evaluations of cost structures.

Agency New Delhi.
The Ministry of Defence is set to launch a comprehensive review of military procurement to identify Chinese-origin components in equipment supplied to the armed forces and to assess vulnerabilities within the defence supply chain. Although strict guidelines already prohibit the use of Chinese parts in military hardware, recent reports have indicated that some companies may still be sourcing components from China to manufacture products intended for defence use. As part of its broader 2025 reforms, the ministry is likely to appoint an external agency to audit claims of indigenous content, map supply chain dependencies and carry out detailed evaluations of cost structures and technology transfer processes. At a recent event, Major General C.S. Mann, Additional Director General of the Army Design Bureau, reiterated the Army's objective to eliminate Chinese components from its

suppliers. He said that reducing foreign dependency, particularly on China, remains a key priority to address potential security risks. The Army is also working to identify and support



Indian companies capable of manufacturing critical components domestically under the "Make in India" initiative. The new review

initiative comes amid growing concerns that certain vendors have exaggerated their indigenous content figures, with essential components often traced back to China, sometimes via third countries. Drones and anti-drone systems have emerged as particularly sensitive areas under scrutiny. The consultants hired by the ministry will also evaluate patent ownership and investigate instances where private firms may have underquoted development costs, raising concerns of inflated prices at later stages. Since Operation Sindoor, the ministry has fast-tracked equipment procurement, with heightened scrutiny on vendors suspected of using Chinese components in gear meant for frontline forces. In February, the ministry cancelled drone procurement orders after discovering the use of Chinese parts, citing national security risks. With the newly launched review, officials believe more defence hardware may undergo rigorous inspection to ensure full compliance with security guidelines.

Parliament breach accused get bail, barred from posting on social media on case



Agency New Delhi.
The Delhi High Court on Wednesday granted bail to Neelam Azad and Mahesh Kumawat, both of whom were arrested in the Parliament security breach case which happened on December 13, 2023.

The court while announcing its decision directed the accused to furnish a bail bond of Rs 50,000 each, along with two sureties of like amount. As part of the bail conditions, the court has barred the accused from giving interviews or making any public statements related to the case and restrained them from posting anything on the social media relating to the incident in question. The court has also restricted them from leaving the city of Delhi and directed them to report to the designated police station every Monday, Wednesday and Friday at 10 am. A division bench comprising Justice Subramonium Prasad and Justice Harish Vaidyanathan Shankar pronounced the order which was reserved on May 21.

On 13 December 2023, the breach was orchestrated by a group of six individuals, of whom two, Sagar Sharma and Manoranjan D, managed to infiltrate the Lok Sabha chamber. During Zero Hour, they leapt from the public gallery, discharged yellow gas from canisters and shouted slogans until MPs and security personnel subdued them. During the investigation, it was found that the accused were linked through a social media page named 'Bhagat Singh Fan Club' and had met in Mysuru. The group, which used encrypted communication through the Signal app to coordinate their actions, acted on their plan one and a half years later.

British woman's rape: She came thinking she was meeting a friend, Delhi Police tells court



Agency New Delhi.
A conversation on Instagram, which started in January, led a British woman to meet a labourer at a hotel in Delhi in March, where he allegedly raped her, the Delhi Police has said in a 109-page chargesheet it filed before the court on May 22.

The woman was allegedly raped on March 12 after she was molested by a housekeeping staff of the same facility, while she was on a trip to India, the police have said. An officer said the woman, who was visiting the country while she was allegedly raped, had herself booked the hotel for the two, thinking she was meeting a friend.

"The victim said she came in contact with the primary accused on Instagram in January and became friends with him. On March 7, she came to India and stayed in Goa there till March 11. She wanted to meet him, so she booked a hotel in Delhi. There, he allegedly forced himself upon her," a police officer said. The chargesheet was filed in the court of Aniket Singh in Patiala House Court.

The police said that in the chargesheet, they have mentioned the version of events given by the accused. "The prime accused works as a labourer at a glass shop. According to chat records, he and the woman communicated in a friendly manner," said an officer.

Dalai Lama shuts out China, reveals when his successor will be chosen

Agency New Delhi.
Exiled Tibetan spiritual leader, the Dalai Lama, said the 600-year-old institution would continue after his death, and it would choose his future reincarnation, effectively excluding China from any role over appointing the 15th Dalai Lama. In an official statement released on Wednesday, the 14th Dalai Lama announced that the Gaden Phodrang Trust — the official office of the Dalai Lama — alone will decide on the recognition of the 15th reincarnation. "The process by which a future Dalai Lama is to be recognised has been clearly established in the 24 September 2011 statement which states that responsibility for doing so will rest exclusively with members of the Gaden Phodrang Trust, the Office of His Holiness the Dalai Lama," the Buddhist monk said. "They should consult the various heads of the Tibetan Buddhist traditions and the reliable oath-bound Dharma Protectors who are linked inseparably to the lineage of the Dalai Lamas. They should accordingly carry out the procedures of search and recognition in accordance with past tradition. I hereby reiterate that the Gaden Phodrang Trust has sole authority to recognise the future reincarnation; no one else has any such authority to interfere in this matter," he added. The statement, released days before his 90th birthday on July 6, has far-reaching implications for his millions of Buddhist followers worldwide. It also came as a message to Beijing, which has long sought to control Tibetan religious traditions to tighten its grip over the region. The Dalai Lama, who fled to India in 1959 after a failed uprising against Chinese rule in Lhasa, has since lived in exile along with thousands of Tibetans. While China brands him a separatist and a rebel, the Dalai Lama remains for many a global icon of non-violence, compassion and the Tibetan struggle to preserve their identity.

Delhi HC upholds injunction order stopping luggage-maker VIP from using 'Carlton' mark



Agency New Delhi.
A division bench of the Delhi High Court on Tuesday dismissed appeals challenging an injunction order against Indian luggage manufacturer VIP Industries from using the mark 'Carlton'. A division bench of Justices C Hari Shankar and Ajay Dignpaul upheld a single judge's order of July 17, 2023, ruling that Carlton Shoes Limited (CSL) had "goodwill of the CARLTON mark, as used by it in India, prior to the commencement of user of the CARLTON mark by VIP in 2006".

A single judge order of July 17, 2023, dealing with cross suits of infringement by Carlton Shoes Ltd (CSL), incorporated in UK in 1992, and VIP Industries had enjoined VIP from using the 'Carlton' mark in respect of goods covered by Class 18 and had rejected VIP's application for a similar injunction against CSL. Class 18 pertains to leather and imitations of leather, and goods made of these materials, and not included in other classes.

In 2019, VIP had issued a legal notice to CSL, objecting to the use of 'Carlton' for bags, which VIP claimed to have been using for its bags and suitcases and other such items since 2006.

VIP had contended that it had been using the 'Carlton' mark for luggage, or travel luggage, and enjoyed the goodwill in the said mark for over 15 years, whereas CSL had never used the 'Carlton' mark for luggage till 2019.

UP minister refuses to use vehicle with illegal lights, asks cop to issue challan

Agency New Delhi.
Uttar Pradesh's Minister of State for Social Welfare (Independent Charge), Asim Arun, refused to use an official vehicle fitted with unauthorised lights during his visit to Varanasi on Monday.

Upon noticing the unauthorised modifications, Minister Arun immediately declined to use the vehicle and wrote a formal letter to the Police Commissioner of Varanasi, recommending a challan (fine) against the vehicle. The vehicle, bearing registration number UP 65 QT 9650, was assigned for his official use. The minister also included photographic evidence showing the illegal lights.

"Please be informed that on the occasion of my arrival in Varanasi on June 30, a vehicle was arranged for my use. Since the vehicle was fitted with an unauthorised light, I did not use it," the minister's letter issued to the Varanasi Police Commissioner read. "Please ensure that a challan is issued against this vehicle for violating the rules by



using an unauthorised beacon," he added with an attached photo of the vehicle and number.

In his letter, the minister said that it is important to uphold traffic rules, even in cases involving government vehicles.

Asim Arun was in Varanasi earlier this week to attend the Anusuchit Jaati evam Janjaati Swabhimaan Sammelan

(SC/ST Dignity Conference), organised by the Uttar Pradesh Scheduled Castes and Scheduled Tribes Development Committee at Kabir Inter College Ground, Bhullanpur, on the 94th birth anniversary of social worker Narendra Kumar Shastri. He also attended a meeting at Banaras Hindu University (BHU).

What led to Air India crash? Pilots simulate accident, find key flaw, says report

Agency New Delhi.
While the reason behind the crash of the ill-fated AI 171 jet is yet to be ascertained, Air India pilots re-enacted the aircraft's parameters in a flight simulator and identified technical malfunction as a possible cause, Bloomberg reported, quoting sources.

As part of the simulation, the pilots kept the landing gear deployed and the wing flaps retracted. However, it was found that these configurations alone would not have resulted in a crash.

Air India has declined to comment on the findings. "These are speculations, and we will not be able to give any comments at this time," an Air India spokesperson told.

WHAT SIMULATION FOUND?

Pictures of the wreckage of the doomed Boeing 787 Dreamliner showed that the flaps were in an extended position, and not retracted, as speculated. The



flaps provide the extra lift required by an aircraft during the take-off and landing phases when its speed is slow. The London-bound aircraft crashed into

a medical college campus within seconds of takeoff in Ahmedabad, killing all but one of the 242 passengers and crew on board, and another 34 individuals who were on the ground. The results, along with several expert analyses, have reinforced the technical failure angle as one possible cause of the crash.

DUAL ENGINE FAILURE?

An aviation expert, former US Navy pilot Captain Steve Scheibner, has suggested dual engine failure might be behind one of the worst aviation accidents in India in several decades.

In an interview with India Today, he said the deployment of the ram air turbine (RAT) shortly after takeoff pointed to a dual engine failure.

Delhi gets DGCA nod for first cloud seeding trials to tackle air pollution; 'historic achievement', says Minister Manjinder Sirsa

Cloud seeding trials will be held between August 30 and September 10. Minister Manjinder Sirsa said the effort is part of the larger Environment Action Plan 2025, which aims to prepare Delhi for the winter season when air quality worsens.

Agency New Delhi.
Delhi has become the first state in India to receive final clearance from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) for conducting cloud seeding trials aimed at reducing pollution, according to officials in the Environment Department. Environment Minister Manjinder Singh Sirsa announced the development on Tuesday, calling it a "historic achievement" and a major step forward in Delhi's fight against air pollution. Cloud seeding has been spoken about for years but never implemented, Sirsa said.

The method involves dispersing hygroscopic particles like sodium chloride below the cloud layer to encourage rainfall and help wash out pollutants from the atmosphere. The trials, originally planned for early July, will now be held between August 30 and September 10, over areas

including Alipur, Bawana, Rohini, Butari, Pavi Sadakpur and the Kundli border.

"For ten years, it remained only on paper. We took it up, secured all approvals including from the DGCA, and now Delhi will finally witness cloud seeding," he said.

The aircraft to be used for the operation is a Cessna 206-H (VT-IIT), operated by the Department of Aerospace Engineering at IIT Kanpur. It is fully fitted with cloud seeding equipment and will be manned by a trained crew with prior experience in similar missions. Sirsa added that while the original window approved by the DGCA was July 4 to 11, experts from the India Meteorological Department and the Indian Institute of Tropical Meteorology, Pune, advised postponing the exercise. The experts cited that weather conditions



during that time were not ideal for cloud seeding.

Based on their recommendation, IIT Kanpur and the Delhi government requested a revised schedule, now approved for the end of August to early September, the minister explained.

The DGCA's permission comes with strict conditions. The flights must be conducted under Visual Flight Rules (VFR), with full

visibility of terrain at all times. Use of aerial photography or videography is banned during operations, and the aircraft must stay within approved airspace. Operators must also coordinate closely with Air Traffic Control, report any abnormal incidents, and ensure that all activities are properly documented.

Sirsa said the effort is part of the large Environment Action Plan 2025, which aims to prepare Delhi for the winter season when air quality typically worsens. "These trials will give us critical data to fine-tune and scale up cloud seeding efforts later in the year. Our aim is to create a cleaner winter for Delhiites," he said. He also pointed out that Delhi is the only city where both the Supreme Court and the National Green Tribunal had to intervene due to the poor air quality. "The pressure was a result of inaction in the past.

NEWS BOX

An oil-drilling ship capsized in the Gulf of Suez, killing at least 4 crewmen, Egypt says

AIRO. An oil-drilling ship capsized in the Gulf of Suez, killing at least four crewmen and leaving four others missing, authorities said Wednesday.

The drilling ship overturned Tuesday evening off the city of Ras Ghareb, on the African side of the Gulf of Suez, the Red Sea's northwestern arm and a crucial shipping route, the Petroleum Ministry said in a statement. There were 30 workers on board when the drilling ship capsized, said Amr Hanafy, governor of the Red Sea province. Rescue teams recovered four bodies and rescued two 22 others who were taken to hospitals, he said. He said ships from the Egyptian navy joined the search-and-rescue efforts which were still ongoing overnight for four missing crewmen. It wasn't immediately clear what caused the drilling ship to capsize and authorities say investigations were ongoing. Local media reported it was being tugged for excavations in another area when it overturned. The capsizing happened in an area called Gabel el-Zeit, a prominent Egyptian oil production site around 300 kilometers (186 miles) south of the Suez Canal, the ministry said in a statement. The capsizing didn't disrupt vessels transiting through the canal, which links the Gulf of Suez to the Mediterranean Sea, Adm. Ossam Rabei, head of the canal authority, said. Rabei said in a statement that 33 vessels were scheduled to transit Wednesday through the global waterway.

Trump says Israel has agreed on terms for a 60-day ceasefire in Gaza, urges Hamas to accept deal

WASHINGTON. President Donald Trump said Tuesday that Israel has agreed on terms for a 60-day ceasefire in Gaza and warned Hamas to accept the deal before conditions worsen. Trump announced the development as he prepares to host Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu for talks at the White House on Monday. The U.S. leader has been increasing pressure on the Israeli government and Hamas to broker a ceasefire and hostage agreement and bring about an end to the war in Gaza.

"My Representatives had a long and productive meeting with the Israelis today on Gaza. Israel has agreed to the necessary conditions to finalize the 60 Day CEASEFIRE, during which time we will work with all parties to end the War," Trump wrote, saying the Qataris and Egyptians would deliver the final proposal. "I hope, for the good of the Middle East, that Hamas takes this Deal, because it will not get better — IT WILL ONLY GET WORSE," he said.

Trump's promise that it was his best and final offer may find a skeptical audience with Hamas. Even before the expiration of the war's longest ceasefire in March, Trump has repeatedly issued dramatic ultimatums to pressure Hamas to agree to longer pauses in the fighting that would see the release of more hostages and a return of more aid to Gaza's civilian populace.

Still, Trump views the current moment as a potential turning point in the brutal conflict that has left more than 56,000 dead in the Palestinian territory. The Gaza Health Ministry does not differentiate between civilians and combatants in its death count. Hamas is still capable of landing fatal blows to Israeli forces. But U.S. officials believe that the group's been significantly diminished as its centralized command and control capabilities have deteriorated over the course of the nearly 21-month conflict. Meanwhile, Hamas' chief backer Iran was badly battered last month by 12 days of strikes by Israel and the United States on Tehran's key nuclear facilities..

US won't send some weapons pledged to Ukraine following a Pentagon review of military aid

WASHINGTON. The U.S. is halting some shipments of weapons to Ukraine amid concerns that its own stockpiles have declined too much, officials said Tuesday, a setback for the country as it tries to fend off escalating attacks from Russia. Certain munitions were previously promised to Ukraine under the Biden administration to aid its defenses during the more than three-year-old war. The pause reflects a new set of priorities under President Donald Trump and came after Defense Department officials scrutinized current U.S. stockpiles and raised concerns. "This decision was made to put America's interests first following a review of our nation's military support and assistance to other countries across the globe," White House spokesperson Anna Kelly said in a statement. "The strength of the United States Armed Forces remains unquestioned — just ask Iran." That was a reference to Trump recently ordering U.S. missile strikes against nuclear sites in Iran. Pentagon stocks of some weapons found to be low, official says

The Pentagon review determined that stocks were too low on some weapons previously pledged, so pending shipments of some items won't be sent, according to a U.S. official who spoke on condition of anonymity to provide information that has not yet been made public. The Defense Department did not provide details on what specific weapons were being held back. So despite the success of HIV drugs and PrEP, precarious health-care systems and high drug costs mean we can't rely on them to bring an end to the ongoing global HIV pandemic. That's why we also still need to look at other options. America's military has never been more ready and more capable," spokesman Sean Parnell said, adding that the major tax cut and spending package moving through Congress "ensures that our weapons and defense systems are modernized to protect against 21st century threats for generations to come."

Quad launches major initiative to steady supply of critical minerals

In a joint statement, the Quad foreign ministers expressed 'deep concern' over the 'abrupt constriction and future reliability' of key supply chains, specifically for critical minerals.

WASHINGTON. In a significant move, the Quad grouping has launched an initiative to ensure the availability of critical minerals under a broader goal to strengthen economic security amid concerns over China's coercive tactics, including price manipulation in the sector. The decision on rolling out the "Quad Critical Minerals Initiative" was announced after a meeting of foreign ministers of the member nations of the grouping in the US capital on Tuesday. A readout of the meeting said the

new initiative is an "ambitious expansion" of the Quad partnership to strengthen economic security and collective resilience by collaborating on securing and diversifying critical mineral supply chains. The meeting was attended by External Affairs Minister S Jaishankar, US Secretary of State Marco Rubio, Australian Foreign Minister Penny Wong and her Japanese counterpart Takeshi Iwaya.

"This new flagship initiative, alongside the high-impact programmes and outcomes the Quad is realising, will enable our four countries to bring economic opportunity and prosperity to our people and the region," it said. In a joint statement, the Quad foreign ministers expressed "deep concern" over the "abrupt constriction and future reliability" of key supply chains, specifically for critical minerals. "This includes the use of non-market policies and practices for critical minerals, certain derivative products, and mineral



processing technology," they said without directly mentioning China. "We underscore the importance of diversified and reliable global supply chains. Reliance on any one country for processing and refining critical minerals and derivative goods production exposes our industries to economic coercion, price manipulation, and supply chain disruptions, which further harm our economic and national security," they said. A fact-sheet unveiled at the end of the meeting said the Quad is expanding maritime law enforcement cooperation

which will support efforts to curtail illicit maritime activity, including piracy, drug trafficking, infringements on border security, and illegal, unreported, and unregulated (fishing). It also noted the launch of the first-ever "Quad-at-Sea Ship Observer Mission" this month. The initiative is aimed at strengthening interoperability and knowledge-sharing to address unlawful maritime activities across the Indo-Pacific. Later this month, the Quad will hold the second maritime legal dialogue to advance efforts to uphold maritime order, the document noted. It aid the "Quad Critical Minerals Initiative" will strengthen cooperation on priorities such as securing and diversifying reliable supply chains, and electronic waste, critical minerals recovery and re-processing. "The Initiative will expand the Quad's cooperation on supply chain resilience measures for critical minerals, and we look forward to coordinating with private sector partners to facilitate increased investments," it added.

Iran president gives final approval for suspension of IAEA cooperation

world. Iran's President Masoud Pezeshkian has granted a final approval to a law to suspend cooperation with the United Nations nuclear watchdog, state media said Wednesday. "Masoud Pezeshkian promulgated the law suspending cooperation with the International Atomic Energy Agency," state TV said, meaning the measure drawn up in the aftermath of the Iran-Israel war last month is now in effect. Last week, Iranian lawmakers voted in favour of a bill to suspend cooperation with the IAEA, citing Israel's June 13 attack on the Islamic republic and later strikes by the United States on nuclear facilities. Earlier on Monday, Pezeshkian told his French counterpart Emmanuel Macron that Tehran halted cooperation with the UN nuclear watchdog due to what he called the agency chief's "destructive" behaviour towards the Islamic republic. "The action taken by parliament members... is a natural response to the unjustified, unconstructive, and destructive conduct of the Director General of the International Atomic Energy Agency," Pezeshkian told Macron in a phone call

late Sunday, according to a presidency statement. Since the start of the war with Israel, Iranian officials have sharply criticised



the agency for failing to condemn the strikes. Iran has also criticised the watchdog for passing a resolution on June 12 accusing it of non-compliance with its nuclear obligations. On Monday, France, Germany, and Britain condemned what they called "threats" against the IAEA chief Rafael Grossi after Iran rejected its request to visit nuclear facilities bombed during the war. None specified which threats they were referring to, but Iran's ultra-conservative Kayhan newspaper recently claimed

documents showed Grossi was an Israeli spy and should be executed. Iran has said Grossi's request to visit bombed sites signalled "malign intent" but insisted that no threats were posed against Grossi or the agency's inspectors. On Monday, Iranian foreign ministry spokesman Esmail Baqaei said the Iranian parliament's decision to halt cooperation with the IAEA reflected the "concern and anger of the Iranian public opinion." He further criticised the United States and European powers for maintaining what he described as a "political approach" toward Iran's nuclear programme during his weekly press conference. Baqaei also questioned how the safety of IAEA inspectors could be ensured while the extent of the damage to Iran's nuclear facilities -- targeted by Israel and the United States during the 12-day war -- remains unknown. "One aspect of this issue is how to ensure the safety and security of the agency's inspectors, in a situation where there is still no accurate assessment of the severity of the damage," he said.

Daughter of assassinated civil rights leader Medgar Evers sees painful echoes of political violence in America

MISSISSIPPI. More than 60 years after a white supremacist assassinated civil rights leader Medgar Evers, his daughter still sees the same strain of political violence at work in American society. "It's painful," said Reena Evers-Everette. "It's very painful."

Evers-Everette was eight years old when her father, a field secretary for the NAACP, was shot to death in the driveway of his home in Jackson, Mississippi. A few months after Evers' killing in 1963, President John F. Kennedy was gunned down. The deaths of civil rights leaders Martin Luther King Jr. and Malcolm X, and U.S. Sen. Robert F. Kennedy followed later that decade. Now, experts say the level of political violence in America over the past few years is likely the highest it's been since the 1960s and 1970s. The past year alone has seen the assassination of a Minnesota state lawmaker and her husband, the killing

of two Israeli Embassy staffers, and two assassination attempts on then-presidential candidate Donald Trump. At a four-day conference celebrating Evers' life just before what would have been his 100th birthday on July 2, his daughter was joined by the daughters of slain civil rights leaders: Kerry Kennedy, the daughter of Robert F. Kennedy, and Bettie Dahmer, the daughter of civil and voting rights activist Vernon Dahmer. The 2025 Democracy in Action Convening, "Medgar Evers at 100: a Legacy of Justice, a Future of Change," was held in Jackson. "I just was feeling so much pain, and I didn't want anyone else to have to go through that," Kennedy said, recalling that after her father died, she prayed for the man who killed him. "I was saying, 'Please don't — please don't kill the guy that killed him.'" Two-time Georgia gubernatorial candidate and voting rights activist Stacey

Abrams spoke at the event, denouncing efforts by the Trump administration to strip the names of activists from Navy vessels, including possibly Evers. "They want to take his name off a boat because they don't want us to have a reminder of how far he sailed us forward," Abrams told the conference crowd. U.S. Defense Secretary Pete Hegseth has undertaken an effort to change the names of ships and military bases that were given by President Joe Biden's Democratic administration, which often honored service members who were women, people of color, or from the LGBTQ+ community. Abrams drew parallels between acts of radical political violence and the Trump administration's use of military resources against protesters in Los Angeles who were demonstrating against immigration enforcement actions.

US plans to begin breeding billions of flies to fight a pest. Here is how it will work

TOPEKA. The US government is preparing to breed billions of flies and dump them out of airplanes over Mexico and southern Texas to fight a flesh-eating maggot. That sounds like the plot of a horror movie, but it is part of the government's plans for protecting the US from a bug that could devastate its beef industry, decimate wildlife and even kill household pets. This weird science has worked well before. "It's an exceptionally good technology," said Edwin Burgess, an assistant professor at the University of Florida who studies parasites in animals, particularly livestock. "It's an all-time great in terms of translating science to solve some kind of large problem." The targeted pest is the flesh-eating larva of the New World Screwworm fly. The US Department of Agriculture plans to ramp up the breeding and distribution of adult male flies — sterilizing them with radiation before releasing them — so they can mate ineffectively with females and over time

cause the population to die out.

It is more effective and environmentally friendly than spraying the pest into oblivion, and it is how the US and other nations north of Panama eradicated the same pest decades ago. Sterile flies from a factory in Panama kept the flies contained there for years, but the pest appeared in southern Mexico late last year.

The USDA expects a new screwworm fly factory to be up and running in southern Mexico by July 2026. It plans to open a fly distribution center in southern Texas by the end of the year so that it can import and distribute flies from Panama if necessary. Fly feeds on live flesh

Most fly larvae feed on dead flesh, making the New World screwworm fly and its Old World counterpart in Asia and Africa outliers — and for the American beef industry, a serious threat. Females lay their eggs in wounds and, sometimes, exposed mucus. "A thousand-pound bovine can be dead from this in two weeks," said Michael



Bailey, president elect of the American Veterinary Medicine Association.

Veterinarians have effective treatments for infested animals, but an infestation can still be unpleasant — and cripple an animal with pain. Don Hineman, a retired western Kansas rancher, recalled infected cattle as a youngster on his family's farm. "It smelled nasty," he said. "Like rotting meat." How scientists will use fly's biology

against it

The New World screwworm fly is a tropical species, unable to survive Midwestern or Great Plains winters, so it was a seasonal scourge. Still, the US and Mexico bred and released more than 94 billion sterile flies from 1962 through 1975 to eradicate the pest, according to the USDA. The numbers need to be large enough that females in the wild can't help but hook up with sterile males for mating.

One biological trait gives fly fighters a crucial wing up: Females mate only once in their weeks-long adult lives.

Why US wants to breed more flies

Alarmed about the fly's migration north, the US temporarily closed its southern border in May to imports of live cattle, horses and bison and it won't be fully open again at least until mid-September. But female flies can lay their eggs in wounds on any warm-blooded animal, and that includes humans. Decades ago, the US had fly factories in Florida and Texas, but they closed as the pest was eradicated.



NEWS BOX

Indian-origin players abroad may now represent India under new National Sports Policy

Players of Indian origin living abroad will be encouraged to play for the country, according to the newly-unveiled National Sports Policy, also referred to as the Khelo Bharat Niti, signalling a departure from the government's earlier stance that only Indian passport holders can represent the country. The ban on Overseas Citizens of India (OCI) card holders from representing the country in 2008 has affected India's growth in sports such as football and tennis.

However, the 20-page Khelo Bharat Niti document stated that India will seek Peace and International Cooperation Activities through Sports so that "Sports can serve as a powerful tool for international diplomacy and cooperation." "Wherever feasible, promising and prominent Indian-origin athletes living abroad may be encouraged to come back and play for India at the international level," it states. "Together, these efforts can transform sport into a dynamic tool of cultural diplomacy and nation-building, strengthening the global Indian identity." Currently, only Indian passport holders are allowed to compete for



the nation. However, the ministry has been mulling revocation of that ban to ensure that "India's sporting ecosystem can be strengthened". According to the new policy, India will promote international sports exchange programmes "to allow knowledge sharing, capacity building and collaborative development efforts". "Sports can serve as a powerful bridge between the Indian diaspora and India, fostering enduring emotional, cultural and social connections. To strengthen this bond, dedicated sporting events and leagues can be organized specifically for and among the Indian diaspora."

FOOTBALL KEEN ON OCIs

The All India Football Federation (AIFF) has been particularly keen on allowing OCIs, even though there are no major names who can be considered for India even if the ban is revoked. In tennis, Prakash Amritraj — son of the legendary Vijay Amritraj — was one of several prominent US passport holders affected by the ban on OCI card holders.

No more Mr Nice Guy: Shubman Gill needs to show his ruthless self in Birmingham

New Delhi. We all know what Shubman Gill brings to the table as a batter. But now, as captain, he must shed the 'poster boy' tag and step into the role of a predator — leading the pack as India look to level the series in the second Test at Birmingham. Simply put, India's chances hinge on how well Gill can enforce his vision, showcase his tactical mindset, and offer a glimpse of what's to come in his captaincy tenure. India had their moments in the first Test. They started strongly, posting three centuries in the first innings. Rishabh Pant dazzled in the second innings alongside KL Rahul. But ultimately,



it was the bowling unit that fell short — owing to dropped catches, unimaginative plans, and a general lack of execution.

Leeds leadership lessons

India's defeat in the first Test wasn't just about missed chances on the field. It was a case of muddled planning and a lack of tactical clarity. Yes, those dropped catches could have altered the game's course. But with the bowling attack India had, more could — and should — have been done. Take, for example, Prasidh Krishna and Mohammed Siraj persistently using hit-the-deck deliveries on a pitch that offered swing. After repeated failure, it was the captain's responsibility to step in and change the approach. But that didn't happen. Captaincy is not just about handing out instructions — it's about being involved. Gill must ensure that the bowlers buy into the collective vision, rather than relying on spurts of individual brilliance. He must quickly learn to walk that fine line.

Controlled aggression, bring out the aura

Gill shouldn't hesitate to crack the whip when needed. It's about making the right calls, and if that means showing aggression, so be it. We've seen flashes of that side of him, notably during the IPL when he reacted with visible frustration after his dismissal against Sunrisers Hyderabad.

Ishan Kishan's iconic 200: The moment Shikhar Dhawan knew his India career was over

- Shikhar Dhawan was amongst India's iconic opening batters
- He has a strong record for India in ICC tournaments
- Ishan Kishan's 200 in ODIs helped him realise it was time to step aside

New Delhi. Shikhar Dhawan's international career came to an abrupt end. Once a vital part of India's limited-overs setup, the flamboyant left-hander did not receive the fitting farewell that his contributions arguably deserved.

Dhawan played a significant role in India's white-ball success, most notably during the ICC Champions Trophy in 2013, where he finished as the top run-scorer with 363 runs in five matches at an average of 90.75. He also maintained a strong record in ICC tournaments, averaging 53.70 in ODI World Cups. His consistent performances were



crucial in keeping India amongst the title contenders in global events after their 2011 World Cup triumph, even though they were unable to add another trophy to the cabinet. However, time eventually caught up with him, as it does with all athletes. The Indian team began shifting its focus towards the future, giving opportunities to younger players who had delivered standout performances in the Indian Premier League. The game itself was also evolving, with greater emphasis on power-hitting and clearing the ropes with ease. Dhawan,



known more for his timing and fluency, did not quite fit into the new approach. Instead, Ishan Kishan, a fearless young batter from Jharkhand, entered the frame and made headlines with his record-breaking double century against Bangladesh, becoming the youngest to achieve the feat in ODIs. That record was later surpassed by Shubman Gill, who scored 208 against New Zealand in 2023. At that point, Dhawan realised that his time in the Indian jersey was likely over. "I was scoring lots of 50s, I didn't score a 100, but I scored lots of 70s. When Ishan Kishan

scored that 200, my instinct told me, alright boy, this can be the end of your career. An inner voice came to me. And that's what happened. Then I remember my friends came over to, you know, give me that emotional support. They thought that I would be very down. But I was chilling, I was enjoying," Dhawan said in an interview with Hindustan Times. What made the moment even tougher was that, apart from head coach Rahul Dravid, no one from the team reached out to him. Dhawan, however, said he did not take it personally and that such things were normal in professional sport. "No, it doesn't happen that way," he said. "Maybe I spoke to Rahul (Dravid) Bhai. He messaged me. Everyone has their own journey, and they are doing work or they are on tours, that's something very normal. We are used to it from the age of under 14, this is not the first time I am getting dropped or getting in," he added. Despite the quiet exit, Dhawan continues to be fondly remembered for his iconic performances. His energy, flair and ability to rise to the occasion made him a fan favourite and a key figure in one of the most formidable white-ball batting units India has produced.

Wimbledon: How Roland Garros success overwhelmed Coco Gauff to Yastremska loss

- Gauff suffered shock first-round exit at Wimbledon 2025
- Yastremska stunned No.2 seed Gauff in straight sets
- Grass-court transition overwhelmed Coco after French Open win

New Delhi. World No. 2 Coco Gauff made a shock exit from Wimbledon 2025, falling in straight sets to Ukraine's Dayana Yastremska in the first round. The American, fresh off her triumph at Roland Garros, struggled to find her rhythm on grass, losing 7-6 (7-3), 6-1 in just over an hour. It was a disappointing outing for the 20-year-old, who is yet to make it past the fourth round at the All England Club. Just three weeks after lifting her maiden French Open title, Gauff confessed that the whirlwind of winning in Paris, the lack of celebration, and the abrupt transition to grass left her overwhelmed and underprepared. She admitted that the

emotional toll and tight turnaround didn't allow her to fully reset or adapt to the challenges of the surface. "Mentally, I was a bit overwhelmed with everything that came afterwards...I didn't feel like I had enough



time to celebrate and also get back into it...It's the first time I've come off a win and had to play at Wimbledon...I definitely learned a lot about what I would and wouldn't do again," Gauff said during the post-match press conference. The American also reflected on her scheduling and questioned whether she should have skipped Berlin — a grass-court warm-up — and spent more time training instead. I only practiced two days. I don't usually like to play the week before, but it's a quick

turnaround. Maybe I should've played Bad Homburg or Eastbourne. If that time comes around again, I'll approach it differently," she added. Only a handful of women have managed to win the French Open and Wimbledon in the same season — the last being Serena Williams in 2015.

Gauff's performance on the day reflected just how difficult the transition between clay and grass can be. Her usually reliable serve broke down under pressure, as she fired nine double faults and struggled with consistency throughout. Yastremska, meanwhile, looked sharp and composed, dictating play with her aggressive groundstrokes and never allowing Gauff to settle into a rhythm. The American had her chances in the first set but couldn't convert, and from there, the match quickly slipped out of her hands. With her Roland Garros crown still fresh, many had hoped Gauff could attempt the rare and historic double — winning both the French Open and Wimbledon in the same season. But as history shows, it's a feat that has evaded generations of top players. Only six women in the Open Era have ever done it, with Serena Williams being the last in 2015. For Gauff, that dream will have to wait, but her ambitions remain sky-high.

Part Saina, part Sindhu, 16-year-old Tanvi Sharma sets sights on Olympic glory

New Delhi. She is made out of the best parts of Saina Nehwal and PV Sindhu," chuckled Tanvi Sharma's coach, Park Tae-Sang, after his disciple's silver-medal finish at the recently concluded US Open 2025. Park, who guided PV Sindhu to bronze at the Tokyo Olympics and gold at the Commonwealth Games, was immensely proud of his young protge's performance in the Super 300 tournament. When praise of that magnitude comes from such a seasoned coach, you sit up and take notice.

"Actually, with Tanvi, I wanted to combine both Indian legends. When she is on court, she is like Saina Nehwal — she is tricky. She's also like PV Sindhu — she plays with aggression and is top level globally. So, I wanted Tanvi to learn the good points from both players," Park told India Today. In the coach's high praise came after the 16-year-old Tanvi Sharma went on a rampage in the



recently concluded tournament. The unseeded Indian shuttler, known mainly for her exploits in junior badminton categories, gunned down several top stars in the senior circuit to reach the final of the tournament.

An aggressive Tanvi caught her opponents off guard in almost every single match and reached the final of the tournament without losing a single game. Tanvi became one half of India's incredible success story at the US Open where 20-year-old Ayush Shetty

caused major upsets in men's singles, helping India win its maiden badminton competition in 2025. Tanvi's tournament was bittersweet. She herself admitted after the match that nervousness got the better of her in the final of the tournament. Facing World No. 18 Beiwen Zhang, Tanvi lost 11-21, 21-16, 10-21. Hours after her final, when the adrenaline rush had passed, Tanvi reflected on her game and told this masthead that she should have minimised her unforced errors.

"There were a lot of unforced errors, and I need to work on them and also on my endurance," Tanvi said. But the loss in a Super 300 final does not take away from what she had achieved in the last week. Coming from a modest family in Hoshiarpur, Punjab, Tanvi's goal this year was to graduate from junior competitions to playing the final of a major senior tournament.



proceedings on Centre Court on Wednesday.

The final match on Centre Court will feature Raducanu against 2023 champion Marketa Vondrousova. Raducanu has shown signs of stronger form in 2025, but she faces a serious challenger against Vondrousova, who recently won the Hylo Open WTA 500 tournament. The Czech star has beaten Raducanu in two of their last three meetings, including a hard-court match earlier this year. Elsewhere, 12th seed Frances Tiafoe will kick off play on Court 1 against local favourite Cameron Norrie, in what promises to be a closely contested battle.

Naomi Osaka will also be in action on Court 2. She is set to face World No. 81 Katerina Siniakova, fresh off a stunning upset of 5th seed Qinwen Zheng.

Sanju Samson to CSK RR might want Jadeja or Ashwin in return, says ex-opener

- As many as six Rajasthan Royals players receive trade interest
- CSK have reportedly approached Rajasthan for Sanju Samson
- Samson has been Rajasthan Royals' key player since 2018

New Delhi Former India opener Aakash Chopra has acknowledged media reports suggesting that Sanju Samson has attracted trade interest from multiple Indian Premier League franchises — most notably Chennai Super Kings — ahead of the IPL 2026 season. Chopra, who is now a celebrated cricket pundit, said he would be keen to see how Rajasthan Royals respond to such offers, particularly if discussions with CSK materialise. He noted that Rajasthan may seek a high-profile player like Ravindra Jadeja in exchange. According to PTI, as many as six Rajasthan Royals players have drawn interest from rival franchises during the early stages of the trading window, which opened on 4 June — a day after the 2025 IPL final — and will remain open until a week before the 2026 players' auction. Following the auction, the trading window will reopen and close again exactly one month prior to the start of the new season. Will this trade happen? CSK have expressed interest, but they haven't reached the stage of talks where potential trade



names have been discussed. Rajasthan may want either Ashwin or Jadeja in return. It's well within their rights to ask, if the trade ever progresses that far," Chopra said on his YouTube show. Samson has been the face of the Royals since rejoining the franchise in 2018 after a two-season stint with Delhi Capitals. Rajasthan made him their first-choice retention, paying Rs 18 crore to keep him ahead of the mega auction last year. However, the team now finds itself with a wealth of batting options.

Dhruv Jurel, a reliable wicketkeeper-batter, has impressed at the international level, while 14-year-old sensation Vaibhav Suryavanshi emerged as a breakout performer in IPL 2025. In the latter stages of the season, Vaibhav opened the batting with Yashasvi Jaiswal, with Samson moving to the middle order. With Samson now settling into the opener's role in the Indian national team, a potential move to CSK raises intriguing possibilities.

SAMSON BEST OPTION FOR CSK?

Amid the speculation, Chopra noted that Samson could be a natural successor to MS Dhoni as a wicketkeeper-batter at Chennai Super Kings — a franchise in search of a long-term replacement for their iconic captain. CSK, who finished bottom of the table in IPL 2025, had signed Urvil Patel — an uncapped wicketkeeper-batter from Gujarat — as a replacement player. Though he impressed alongside youngsters Ayush Mhatre and Dewald Brevis in the latter half of the season, questions remain over his readiness to fill Dhoni's shoes.

Adah Sharma

Suffers Serious Nose Injury While Shooting Upcoming Action Thriller

Adah Sharma is known for giving her all to her roles, and her next action film is no different. While preparing for the intense action scenes, the actress ended up hurting herself during a late-night stunt rehearsal. A source revealed that she broke her nose while training with nunchucks for her upcoming thriller. But Adah, being the trooper she is, didn't let the injury stop her. Speaking about it, she told IANS, "Pain is temporary. Cinema is forever. Now I really look like an action heroine. The night I got hurt I was shooting for a romantic concept music video the next day so between the romance I was sitting with an ice pack for the swelling and we used loads of makeup to cover it."

Though not much has been shared about the film yet, insiders say Adah will be doing some never-seen-before action in it. This film is expected to go beyond what she did in Commando 2 and 3.

Besides the action thriller, Adah is also busy with other projects. She'll be playing a Devi in a trilingual film directed by BM Giriraj and is returning with Reeta Sanyal Season 2. There's also talk of her signing a big horror film where she will play the lead. Talking about her work, Adah shared, "I am very fortunate to be getting the opportunity to play such amazing roles and work with such talented filmmakers. Stories like 'The Kerala Story' or fictional ones like Reeta Sanyal, I will do my best to make it as realistic as possible. I'm very lucky that creative filmmakers are offering me such varied roles."

Adah Sharma is an Indian actress known for her work in both Hindi and Telugu films. She began her acting journey after completing school and made a strong debut with the 2008 horror film 1920, where she played the role of a possessed woman. The film was a hit, and her performance earned her a nomination for the Filmfare Award for Best Female Debut.

After gaining attention in Bollywood, especially with the romantic comedy Hasee Toh Phasee in 2014, Adah stepped into South Indian cinema. She played the lead in the Telugu film Heart Attack the same year and continued her success with roles in S/O Satyamurthy (2015) and Kshanam (2016). In 2023, she took on one of her most talked-about roles as the lead in The Kerala Story.



Neha Dhupia Has A Cute Nickname For Birthday Girl Rhea Chakraborty



Bollywood actresses Neha Dhupia and Rhea Chakraborty share a strong bond. Although both have been recently involved in a series of confrontations, arguments and disagreements on the MTV reality show Roadies Double Cross, their friendship didn't take the back seat amid these tensions. On July 1 as Rhea turned a year older, Neha made a cutesy post to mark her special day. Taking to her Instagram stories, Neha Dhupia shared a photo of Rhea Chakraborty reportedly from the sets of their recent project together. Dressed in a brown-hued co-ord set, the Jalebi actress looked gorgeous. Sharing the photo, the Chup Chup Ke star captioned it as "Happy birthday Dolly @rhea chakraborty ... this is you for me always... love love love."

The 33-year-old was also seen carrying Neha Dhupia and Angad Bedi's son Gurigh in her arms while flashing her brightest smile. The baby boy looked adorable in a red attire teamed with tiny teeny sneakers. Talking about the same, the doting mommy mentioned, "Also baby G is eating extra cake today to celebrate."

Earlier, highlighting the bonds she made on the show, Neha dropped a video on Instagram. It featured heartfelt moments of the veteran star posing with others right from the sets of the show. Alongside this, she penned an emotional note that can be read as "Until we meet again... Bye for now. Here's to the best ones @runvijaysingha @princeanarula @elvis_yadav @rhea_chakraborty @welcometogauthameity @mtvroadies." Soon reacting to this, Rhea mentioned, "Will miss this journey," further cementing her love and dedication to her co-workers.

On the MTV reality show, Roadies XX, both Neha and Rhea were amongst the gang leaders. They have showcased their strategic gameplay during the intense tasks, amid several instances of fights with words. Throughout the season, their fans were also found divided supporting their respective leadership styles and gameplay.

Game Changer Producer Opens Up On Ram Charan Starrer's Failure: 'Thought Our Lives Were Over'



Game Changer flopped at the box office, deeply impacting producer Shirish, but he now plans a new film with Ram Charan, aiming to deliver a big hit.

Ram Charan and Kiara Advani's Game Changer was one of the most anticipated projects, but the film's fate left the entire movie industry in a state of shock. In a recent interaction, the film's producer, Shirish, who is also Dil Raju's brother, opened up about the big-budget movie's box office failure, its aftermath, and the impact it had on them.

In an interview with Great Andhra, Shirish spoke about the uncertainty that people in the showbiz industry live with. While discussing films like Sankranthiki Vasthunam and Game Changer, which were released just days apart, he shared, "Everyone knows how risky the cinema business is. For example, look at Sankranthiki Vasthunam and Game Changer. With Game Changer, we thought our lives were over. We got hope from Sankranthiki Vasthunam. Our lives changed within four days. If we didn't have that, think of our situation now."

He further opened up about how no one reached out to them after the debacle of the high-budget movie. "When Game Changer flopped, did the hero come and help us? Did the director come and help us? No one even asked us how we were doing, even out of courtesy. I am not blaming anyone, because we made the film out of our own wish, and we faced the losses. We have not come down to the stage of asking back remuneration," he said.

While Game Changer met an ill fate and left them with regret over not delivering a blockbuster with Ram Charan, Shirish is now planning a new film with the actor. He stated, "We had a setback this year with Game Changer, and we feel guilty about not making a superhit with Ram Charan. We are trying to make a hit film with him now. I will hopefully announce it soon."

Game Changer was the biggest box office failure of the year. According to Sacnilk.com, the film grossed Rs 131.1 crore in India and approximately ₹186.2 crore globally.

Meanwhile, Ram Charan is set to star in director Bachu Babu Sana's upcoming film, tentatively titled RC16, alongside Janhvi Kapoor. Kiara Advani, on the other hand, will appear in War 2, alongside Hrithik Roshan and Jr NTR.

Kareena Kapoor

On Saif Ali Khan's Stabbing: 'I Was Anxious For A Few Months'

Kareena Kapoor Khan faced brutal social media trolling and targeting after an intruder attacked her husband, Saif Ali Khan, at his apartment in January this year. Questions were asked about the actress' whereabouts during the time of the incident, while others raised concerns about the intensity and authenticity of the attack on the actor. Despite all the comments, Bebo decided not to react to them in the public domain. Now, months after Saif returned from the Hospital, Kareena, during an interview, recalled the tragic event and expressed her disappointment with some of the vicious remarks made about her and her family during that difficult time, particularly about where she was after Saif was attacked.

Kareena questioned the media coverage of Saif's attack and expressed concerns about the type of content the audience is ingesting and receiving. Speaking to Barkha Dutt, she said, "It was utter garbage. I don't want to be angry since it's a negative emotion, but I'm saddened by what humanity has come to. Is this the type of consumption that people actually want? Is this what we are going to give them? Are you going to praise other people's grief?" "That is what makes me sad. Is this the digital age we are talking about? Because humanity is so much more than simply consumption," Kareena added.

Furthermore, the Laal Singh Chaddha actress shared that the incident shook her to the core, and she became very anxious.

"I'm still trying to figure out what it feels like to have someone in your child's room. We have still not come to terms 100 per cent. At least I haven't. I was quite anxious for the first few months. It was really tough to sleep and return to the house with that level of normalcy," she said. Saif was attacked by an intruder who attempted to rob the house earlier in January this year. The intruder had gained access to Kareena's youngest son, Jeh Ali Khan's room. Later on, a house staff pressed the alarm after which Saif rushed in and stopped him, but got stabbed in the scuffle. He was later taken to the hospital by autorickshaw along with Taimur and underwent two surgeries. A 2.5-inch knife was recovered from his spine.

